कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

केंद्रीय कृषि मंत्री ने किया "किसानों की भागीदारी, प्राथमिकता हमारी" अभियान का शुभारंभ

खेती में ज्यादा लाभ के लिए प्रयोगधर्मी बने किसान- श्री तोमर

देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों, अन्य कृषि संस्थानों के मेलों में लाखों किसान एवं सांसद व अन्य जनप्रतिनिधि शामिल

नई दिल्ली, 26 अप्रैल 2022, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, देश की आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत, खाद्यान्न सुरक्षा में किसानों के अपार योगदान के मद्देनजर, प्रधानमंत्री जी की पहल पर देशभर में 25 से 30 अप्रैल तक "किसानों की भागीदारी, प्राथमिकता हमारी" अभियान, किसान समुदाय को मजबूत करने के लिए समर्पित किया जा रहा है। इस अभियान का शुभारंभ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने किया। इसमें, देशभर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों व अन्य कृषि संस्थानों में मेलों के माध्यम से लाखों किसान, कई सांसद व अन्य जनप्रतिनिधि एवं वैज्ञानिक शामिल हुए। इस अवसर पर श्री तोमर ने आव्हान किया कि खेती में ज्यादा लाभ के लिए किसानों को प्रयोगधर्मी बनना चाहिए। श्री तोमर ने कहा कि केंद्र सरकार छोटे किसानों को बड़ा बनाने के लिए अनेक योजनाओं व कार्यक्रमों के माध्यम से निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री जी ने आम लोगों से आत्मनिर्भर भारत व न्यू इंडिया के निर्माण में भागीदार बनने का आव्हान किया है, जिसके लिए ऐसे अभियान व कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता आएगी।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि कृषि सहित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों ने काफी कुशलता से बहुतसे अनुसंधान किए हैं, जो भारतीय कृषि को सतत आगे बढ़ा रहे हैं। किसानों को अपनी कृषि भूमि पर इन अनुसंधानों का प्रयोग करते हुए बीजों की नई विकसित किस्मों का उपयोग करना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की पहल की है, इसे अपनाना चाहिए। प्रधानमंत्री सूक्ष्म सिंचाई योजना का लाभ लेते हुए खेती में पानी की बचत करना चाहिए। ड्रोन जैसी टेक्नालाजी का उपयोग खेती में करना चाहिए। श्री तोमर ने कहा कि प्रकृति का सिद्धांत है कि जो समय के साथ चलते हुए अच्छे परिवर्तन को उपयोगिता के साथ स्वीकार करता है, वहीं प्रगति करता है। छोटे किसानों को कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) से जुड़ना चाहिए, ताकि सामूहिक रूप से कृषि कार्य होने से उन्हें सुविधाएं मिलें, व्यापक लाभ हों।

श्री तोमर न□कहा कि क□वीक□ व कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (ATMA) विकसित प्रौद्योगिकियों को किसान समुदाय तक ल□जान□क□ लिए पूरी कोशिश कर रह□हैं। क□वीक□ कृषि प्रगति में अग्रणी हैं, जिनका किसानों स□सीधा संपर्क रहता है। उन्होंन□ कहा कि वर्ष 2021-22 में कृषि एवं सम्बद्ध क्ष□ क□ उत्पादों का निर्यात लगभग चार लाख करोड़ रु. हुआ, जिसमें किसानों का योगदान सराहनीय है। किसानों क□अथक परिश्रम, वैज्ञानिकों की कुशलता तथा सरकार की किसान हितैषी नीतियों क□सद्परिणाम सामन□आ रह□हैं और किसानों की आमदनी भी सतत बढ़ रही है, जो बात आज विभिन्न क□वीक□में उपस्थित किसानों स□ संवाद क□ दौरान भी प्रकट हुई है। अलग-अलग क्ष□ों में किसानों की आय दोगुना स□लक□र दस गुना तक बढ़ी है। यह अत्यंत उत्साहजनक है व अब हम कृषि क्ष□ की प्रगति की बहुत महत्वपूर्ण यात्रा की तरफ बढ़ रह□हैं।

उन्होंन□कहा कि एक कालखंड था, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री कहत□थ□दिल्ली स□केंद्र की स्कीम क□100 रु. भ□ज□जात□है, जो नीच□पहुंचत□15 रु. ही रह जात□हैं, ल□किन मोदी जी की सरकार में पूरी राशि नीच□हितग्राही तक पहुंचती है, जिसका उदाहरण है पीएम किसान सम्मान निधि, जिसमें किसानों को छह हजार रु. सीध□बैंक खातों में पहुंचाए जा रह□हैं। यह मोदी सरकार की पारदर्शिता का अनुपम उदाहरण है, यह स्कीम दुनिया में अभिनव है। दलहन-तिलहन-आयल पाम मिशन, किसान क□डिट कार्ड, दस हजार एफपीओ, एक लाख करोड़ रु. का एग्री इंफ्रा फंड जैसी अनेक योजनाएं है। श्री तोमर न□देश की आजादी क□100 बरस होन□तक खेती को पूरी तरह उन्नत और किसानों को समृद्ध बनान□में सरकार क□साथ चलन□का आव्हान किया।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी ने कहा कि मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से कृषि का बजट लगातार बढ़ाया जा रहा है, इस साल का कृषि बजट 1.32 लाख करोड़ रुपये हैं, जो मोदी सरकार बनने के पहले लगभग 22 हजार करोड़ रु. ही होता था। उन्होंने कहा कि दस हजार नए बनाए जा रहे एफपीओ किसानों के लिए वरदान साबित होंगे। इनके माध्यम से वैल्यू एडिशन कर किसान अपनी उपज को अच्छे दाम पर बेच सकेंगे। श्री चौधरी ने कहा कि किसानों को हाईटेक खेती की ओर अग्रसर होना चाहिए, ड्रोन से भी खेती में बहुत लाभ होगा। एक लाख करोड़ रु. का एग्री इंफ्रा फंड से गांवों में साधन-सुविधाएं विकसित होने से किसानों को इसका लाभ मिलेगा। केंद्रीय कृषि सचिव श्री मनोज अहूजा, आईसीएआर के महानिदेशक व डेयर के सचिव डा. त्रिलोचन महापात्र ने भी विचार रखें। संयुक्त सचिव श्री सैमुअल प्रवीण कुमार ने संचालन किया। संयुक्त सचिव श्री रितेश चौहान ने आभार माना। इस अभियान में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालय शामिल हैं।